प्रेस विज्ञप्ति
तत्काल प्रकाशनार्थ

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट में 5वें हृदय प्रत्यारोपण वाले मरीज़ को सफल सर्जरी के बाद अस्पताल से छुट्टी मिली

~ मरीज़ पिछले 17 वर्षों से डॉ टी एस क्लेर्स की देखरेख में था ~

~ डॉ टी एस क्लेर ने मरीज़ की आशंकाओं को दूर कर उसे हृदय प्रत्यारोपण की सलाह दी थी ~

नई दिल्ली, 16 दिसंबर, 2016 : फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट ने अपने उस मरीज़ को अस्पताल से छुट्टी दे दी है जिसे 4 नवंबर, 2016 को हृदय प्रत्यारोपित किया गया था। सफल सर्जरी और स्वास्थ्यलाभ के बाद मरीज़ को घर भेजा गया है और वे नए जीवन की शुरूआत को लेकर उत्साहित है।

61 वर्षीय भीमसेन झांब पिछले 17 वर्षों से डायलेटेड कार्डियोमायोपैथी के मरीज़ थे जिसे 'हार्ट फेरियर' की श्रेणी में रखा जाता है। डॉ तरलोचन सिंह क्लेर, एग्ज़ीक्युटिव डायरेक्टर, कार्डियोलॉजी साइंसेज़, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट पिछले करीब दो दशकों से इस मरीज़ का उपचार कर रहे थे। पिछले 2–3 वर्षों में मरीज़ की हालत काफी बिगड़ने लगी थी और उन्हें रिफ्रेक्टरी हार्ट फेलियोर भी हो चुका था।

डॉ तरलोचन सिंह क्लेर ने कहा, *''मरीज़ को दवाओं पर रखा गया और विषम परिस्थितियों से तालमेल बैठाने के लिए उनके शरीर में कार्डियाक रिसोंक्रोनाइज़ेशन थेरेपी डिवाइस (सीआरटीडी) को लगाया गया है ताकि हार्ट आउटपुट ठीक रहे। जब मरीज़ को क्लास 4 लक्षणों के साथ रिफ्रैक्टरी हार्ट फेलियर हुआ और आराम करते हुए भी एंजाइना की तकलीफ बनी रही तो मैंने उन्हें हृदय प्रत्योरपेण की सलाह दी क्योंकि उस स्थिति में बस यही एकमात्र विकल्प बचता है।''*

डॉ जेड एस मेहरवाल, डायरेक्टर, डिपार्टमेंट ऑफ कार्डियोवास्क्युलर सर्जरी, एफईएचआई ने कहा, *''मरीज़ को काफी समय से गंभीर रूप से हृदय की शिकायत थी। बार–बार उपचार कराने के बावजूद उनकी स्थिति लगातार बिगड रही है और ऐसे में हार्ट ट्रांसप्लांट ही इकलौता विकल्प बचता है। मरीज़ की सर्जरी कामयाब रही है और वे बिल्कुल सही तरीके से रिस्पॉन्ड कर रहे हैं। उनकी स्थिति भी सामान्य है लिहाजा, उन्हें इम्यूनो सप्रेसेंट की मेंटीनेंस खुराक के साथ अस्पताल से छुट्टी दी जा रही है और जल्द ही उनकी हालत और बेहतर हो जाएगी।''*

डॉ विशाल रस्तोगी, डायरेक्टर एवं एचओडी, हार्ट फेलियर क्लीनिक, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट ने कहा, *''यह एक प्रकार का नाजुक संतुलन है और हमें यह सुनिश्चित करना होता है कि हार्ट फेलियर से जूझ रहे मरीज़ की हालत स्थित रहे। टीम ऐसे मरीज़ों की हर दिन, कई बार जांच करती है और कई बार रिमोट मैनेजमेंट भी किया जाता है।''*

इस मामले में डोनर हार्ट 55 वर्षीय एक पूर्व सैनिक का जो सड़क दुर्घटना का शिकार हुए थे। उन्हें गंभीर हालत में फोर्टिस अस्पताल, नोएडा लाया गया जहां उन्हें ब्रेन डैड घोषित कर दिया गया। जब उनके परिजन उनके अंगदान के लिए राजी हुए तो एफईएचआई ओखला तक तत्काल एक ग्रीन कॉरीडोर बनाया गया जिसमें गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली पुलिस की मदद ली गई। डोनर हार्ट को मात्र 16 मिनट और 20 सेकंड में 22 किलोमीटर की दूरी पूरी कर ट्रांसपोर्ट किय गया। ऐसे मामलों में ट्रांसप्लांट को सफल बनाने के लिए रास्ते से भारी ट्रैफिक को भी कुछ देर के लिए रोका गया और अपनी मंजिल पर पहुंचकर हार्ट को ट्रांसप्लांट किया गया।

भावुक मरीज़ ने डॉक्टरों तथा डोनर के परिजनों का अभार जताया। उन्होंने कहा, *''मैं अब जीवन में एक नई पारी शुरू करने जा रहा हूं। मेरे जीवन में रोगी हृदय के चलते काफी तकलीफ रही है और अब सर्जरी के बाद मुझे लगता है कि मैंने नया जीवन पाया है। मैं डॉक्टरों का आभारी हूं जिन्होंने मेरी काफी अच्छी देखभाल की है। मुझे उनमें भगवान का रूप दिखता है। मैं डोनर के परिवार का भी आभारी हूं जिन्होंने अपने प्रियजन की मृत्यु के बाद उनके अंग से मेरे जीवन की डोर को जारी रखने में मदद दी है।''*

भारत में हर साल दुनिया में सबसे अधिक संख्या में सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कराए गए सर्वे के मुताबिक, सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले 60 फीसदी लोग 11 से 44 वर्ष की उम्र के होते हैं जो कि युवा और स्वस्थ होते हैं। उनके परिजनों द्वारा अंगदान से ऐसे दूसरे कई मरीज़ों को नया जीवन मिल सकता है जो महत्वपूर्ण अंगों का इंतज़ार कर रहे होते हैं। निश्चित ही यह एक परोपकारी कार्य है और इससे ऐसे कई लोगों की जान बचायी जा सकती है जो डोनर न मिलने के अभाव में दम तोड़ सकते हैं।

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट के बारे में

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट (एफईएचआई), दिल्ली कार्डियक केयर की एक अग्रणी और उत्कृष्ट केंद्र है, जो अपनी स्थापना का 28वां साल मना रहा है और इस दौरान उसने लीक से हटकर काम किया है और हृदय रोग से पीड़ित काफी संख्या में मरीजों को सेवाएं प्रदान की है, जो इस बेहतरीन अस्पताल में उपचार का लाभ ले चुके हैं। क्लिनिकल विशेषज्ञता, अत्याधुनिक चिकित्सकीय प्रौद्योगिकी से लैस इस अस्पताल ने हृदय प्रत्योरोपण, कार्डियक बायपास सर्जरी, मरनिमल इनवैसिव सर्जरी, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी, नॉन–इनवैसिव कार्डियोलॉजी, पीडिएट्रिक कार्डियोलॉजी एवं पीडिएट्रिक कार्डियक सर्जरी के क्षेत्र में अहम बेंचमार्क स्थापित

किया है। आज की तारीख तक एफईएचआई ने सफलतापूर्वक 2 लाख से ज्यादा कोरोनरी एंजियोग्राफीज़, 1 लाख से ज्यादा कार्डियक सर्जरी और तकरीबन 65,000 कोरोनरी एंजियोप्लास्टि के साथ ही कई जीवन–रक्षक उपचार की प्रक्रियाएं पूरी की हैं। इस अस्पताल ने भारत में पहली बार ट्रांस कैथेटर ऑर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (टीएवीआई) और बायोरिसोरेबल वैस्कुलर स्कैफोल्ड (बीवीएस) को सफलतापूर्वक किया है, वहीं एशिया पैसिफिक में पहली बार डायरेक्शनल एथेरेक्टोमी, एंजियोस्कोपी, ड्रग इल्यूटिंग स्टेंटिंग आदि को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। पिछले कई वर्षों के दौरान एफईएचआई ने भारत और विदेश में 19 अस्पतालों और हार्ट कमांड सेंटर का हार्ट केयर नेटवर्क तैयार किया है। इसने क्रांतिकारी ई–आईसीयू प्रोग्राम की भी शुरूआत की है, जिसकी मदद से सुदूरवर्ती इलाकों में समय पर क्रिटिकल केयर उपलब्ध हो सके। फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट को कई पुरस्कार और सम्मान भी प्रदान किए गए हैं – 'आईसीआईसीआई लोम्बार्ड एवं सीएनबीसी टीवी18 इंडिया हेल्थकेयर अवॉर्ड्स 2012, 2013 तथा द वीक नीलसन बेस्ट हॉस्पिटल्स सर्वे 2014 और 2015 में इसे प्राइवेट कार्डियक श्रेणी के अस्पताल में पहले नंबर पर रखा गया है।

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड के बारे में

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड भारत में अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता है। कंपनी की स्वास्थ्य सेवाओं में अस्पतालों के अलावा डायग्नॉस्टिक एवं डे केयर स्पेश्यलिटी सेवाएं शामिल हैं। फिलहाल कंपनी भारत समेत दुबई, मॉरीशस और श्रीलंका में 45 हैल्थकेयर सुविधाओं (इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जिन पर फिलहाल काम चल रहा है), करीब 10,000 संभावित बिस्तरों और 330 डायग्नॉस्टिक केंद्रों का संचालन कर रही है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड	एवियन मीडिया
अजेय महाराज: **+91 9871798573;** **ajey.maharaj@fortishealthcare.com** विद्या पवन कपूर : **+91 9899996189** vidya.kapoor@fortishealthcare.com	रिशू सिंह, **+91-9958891501;** **rishu@avian-media.com** प्रीति सहरावत **+91- 9711170599** **preeti@avian-media.com**